

| JANUAR | | | | | FEBRUAR | | | | | MÄRZ | | | | | |
|--------|---|----|----|----|---------|---|----|----|----|------|---|----|----|----|----|
| KW | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| Mo | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | | 5 | 12 | 19 | 26 | | 5 | 12 | 19 | 26 |
| Di | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 6 | 13 | 20 | 27 | | 6 | 13 | 20 | 27 |
| Mi | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 | | 7 | 14 | 21 | 28 | | 7 | 14 | 21 | 28 |
| Do | 4 | 11 | 18 | 25 | | 1 | 8 | 15 | 22 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 |
| Fr | 5 | 12 | 19 | 26 | | 2 | 9 | 16 | 23 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 |
| Sa | 6 | 13 | 20 | 27 | | 3 | 10 | 17 | 24 | | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 |
| So | 7 | 14 | 21 | 28 | | 4 | 11 | 18 | 25 | | 4 | 11 | 18 | 25 | |

| APRIL | | | | | | | MAI | | | | | JUNI | | | | |
|-------|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|------|----|----|----|----|
| KW | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| Mo | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 7 | 14 | 21 | 28 | | 4 | 11 | 18 | 25 | |
| Di | 3 | 10 | 17 | 24 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | | 5 | 12 | 19 | 26 | |
| Mi | 4 | 11 | 18 | 25 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 6 | 13 | 20 | 27 | |
| Do | 5 | 12 | 19 | 26 | | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 | | 7 | 14 | 21 | 28 | |
| Fr | 6 | 13 | 20 | 27 | | 4 | 11 | 18 | 25 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | |
| Sa | 7 | 14 | 21 | 28 | | 5 | 12 | 19 | 26 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | |
| So | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | 6 | 13 | 20 | 27 | | 3 | 10 | 17 | 24 | | |

„Wer an den Sohn Gottes glaubt,
der hat das ewige Leben.“

Johannes 3,36

2018

| JULI | | | | | | AUGUST | | | | | SEPTEMBER | | | | | |
|------|----|----|----|----|----|--------|----|----|----|----|-----------|----|----|----|----|----|
| KW | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 |
| Mo | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 6 | 13 | 20 | 27 | | 3 | 10 | 17 | 24 | |
| Di | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 | | 7 | 14 | 21 | 28 | | 4 | 11 | 18 | 25 | |
| Mi | 4 | 11 | 18 | 25 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | | 5 | 12 | 19 | 26 | |
| Do | 5 | 12 | 19 | 26 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 6 | 13 | 20 | 27 | |
| Fr | 6 | 13 | 20 | 27 | | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 | | 7 | 14 | 21 | 28 | |
| Sa | 7 | 14 | 21 | 28 | | 4 | 11 | 18 | 25 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | |
| So | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | 5 | 12 | 19 | 26 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | |

| OKTOBER | | | | | | NOVEMBER | | | | | DEZEMBER | | | | | |
|---------|----|----|----|----|----|----------|----|----|----|----|----------|----|----|----|----|----|
| KW | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 1 |
| Mo | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | | 5 | 12 | 19 | 26 | | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 |
| Di | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 6 | 13 | 20 | 27 | | 4 | 11 | 18 | 25 | |
| Mi | 3 | 10 | 17 | 24 | 31 | | 7 | 14 | 21 | 28 | | 5 | 12 | 19 | 26 | |
| Do | 4 | 11 | 18 | 25 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | | 6 | 13 | 20 | 27 | |
| Fr | 5 | 12 | 19 | 26 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | | 7 | 14 | 21 | 28 | |
| Sa | 6 | 13 | 20 | 27 | | 3 | 10 | 17 | 24 | | 1 | 8 | 15 | 22 | 29 | |
| So | 7 | 14 | 21 | 28 | | 4 | 11 | 18 | 25 | | 2 | 9 | 16 | 23 | 30 | |

01.01. Neujahr • 06.01. Heilige Drei Könige* • 14.02. Valentinstag
• 20.03. Frühlingsanfang • 25.03. Sommerzeitbeginn • 30.03. Karfreitag
• 01.-02.04. Ostern • 01.05. Tag der Arbeit • 05.05. Christi Himmelfahrt
• 13.05. Muttertag • 20.-21.05. Pfingsten • 31.05. Fronleichnam*
• 21.06. Sommeranfang • * nicht in allen Bundesländern

Die Kernpunkte des Evangeliums

① Gott liebt jeden Menschen!

„Denn so sehr hat Gott die Welt geliebt, dass er seinen eingeborenen Sohn gab, damit jeder, der an ihn glaubt, nicht verlorengeht, sondern ewiges Leben hat.“ – Johannes 3,16

② Jeder Mensch ist aufgrund seiner Sünde von Gott getrennt!

„.... sondern eure Verschuldungen scheiden euch von eurem Gott, und eure Sünden verbergen sein Angesicht vor euch, dass ihr nicht gehört werdet.“ – Jesaja 59,2

③ Niemand kann aufgrund seiner guten Werke in den Himmel kommen!

„Denn aus Gnade seid ihr errettet durch den Glauben, und das nicht aus euch – Gottes Gabe ist es; nicht aus Werken, damit niemand sich rühme.“ – Epheser 2,8-9

④ Jesus Christus starb am Kreuz auf Golgatha stellvertretend für unsere Sünde!

„Gott aber erweist seine Liebe zu uns darin, dass Christus für uns gestorben ist, als wir noch Sünder waren.“ – Römer 5,8

⑤ Wer umkehrt, seine Sünden bekennt und Jesus aufnimmt, wird gerettet und empfängt ein neues Leben von Gott!

„So viele ihn [Jesus] aber aufnahmen, denen gab er das Recht, Kinder Gottes zu werden, denen, die an seinen Namen glauben.“ – Johannes 1,12

Missionswerk Bruderhand

Gebet | Evangelisation | Mission | Seminare | Medien

Am Hofe 2, D-29342 Wienhausen

Telefon: 05149 9891-0, Fax: -19

E-Mail: info@bruderhand.de

bruderhand.de | komm-zu-jesus.de